नौजवान आओ रे

नौजवान आओ रे, नौजवान गाओ रें ।
लो कदम बढाओ रे, नौजवान आओ रे ।।धृ।।

ऐ वतन के नौजवान, इस चमन के बागवान
एक साथ बढ़ चलो, मुश्किलों से लढ़ चलो इस महान् देश को नया बनाओ रे
नौजवान ...।।१।।

धर्म की दुहाईयाँ, प्रांत की जुदाईयाँ
भाषा की लडाईयाँ, पाट दो ये खाईयाँ
एक माँ के लाल, एक निशाँ उठाओ रे
नौजवान ... ।।२।।

एक बनो नेक बनो, खुद की भाग्य रेखा बनो
देशके तुम हो लाल, तुमसे यह जग निहाल
शांति के लिए जहाँ को तुम जगाओ रे
नौजवान ... ।।३।।

माँ निहारती तुम्हे, माँ पुकारती तुम्ह
श्रम के गीत गाते जाओ, हँसते मुस्कराते आओ
कोटि कंठ एकता के गान गाओ रे
नौजवान .... ।।४।।

– बाल कवि बैरागी